2022 Pattern

Anekant Education Society's

Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science & Commerce, Baramati.

(Autonomous College)

Revised Syllabus for the M.A.-II

(Semester- IV)

Year : 2023 – 24

Programme:- M.A.-II

Hindi

CBCS Pattern

Credit Based Semester System

(Revised Syllabus with effect from 2023)

Anekant Education Society's

Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science & Commerce, Baramati.

(Autonomous College)

Department of Hindi

Syllabus

Course Structure for M.A.-II

Semester-IV

Course Code	Course Name	Maximum Marks		Total	
		External	Internal	Marks	Credits
PAHN 241	आधुनिक काव्य-2 (P-13)	60	40	100	04
PAHN 242	हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास (P-14)	60	40	100	04
PAHN 243	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)(P-15)	60	40	100	04
PAHN 244	विशेष स्तर : वैकल्पिक : लोकसाहित्य (P-16)	60	40	100	04

(40 - 60 pattern to be Implemented from 2023-2024)

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-2] SEMISTER – IV

आधुनिक काव्य-2

PAPER CODE : PAHN-241

SYLLABUS FOR M.A.-2

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Theory**
Course Name	**: आधुनिक काव्य 2**
Course Code	**: PAHN 241**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को आधुनिक काव्य से अवगत कराना।
2. छात्रों में आधुनिक काव्य-अध्ययन की दृष्टि विकसित करना।
3. सर्जनात्मक कौशल से अवगत करना ।
4. आलोचानात्मक दृष्टि विकसित करना।
5. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।
6. साहित्यिक समृद्धि और भावनात्मक संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करना।
7. समकालीन समाज की समस्याओं, विचारों, भावनाओं से रूबरू करना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1 - छात्र हिंदी साहित्य के आधुनिक काव्य से परिचित होंगे।

CO2 - हिंदी भाषा साहित्य को समझते हुए सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी।

CO3 - नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी ।

CO4 - आधुनिक कवियों की कृतियों के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होंगी ।

CO5 - आधुनिक काव्य के अध्ययन से छात्रों को जीवन में मूल्यों का महत्व समझ में आएंगा।

CO6 - यथार्थ से परिचित होंगे।

CO7 - काव्य के अध्ययन से छात्रों में प्रतिभा बढ़ेगी।

संदर्भ ग्रंथ :

1.'काव्य सारंग संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

2. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

3. काव्य रूप संरचना उद्भव और विकास - सुमन राजे

4. आधुनिक हिंदी काव्य में रूप विधाएँ - डॉ. निर्मला जैन

5. हिंदी काव्य का स्वरूप और विकास बदलते युग बोध के परिप्रेक्ष्य में - डॉ. प्रेमचंद महेश

6. संसद से सड़क तक और गोलपीठा - प्रा. अनंत केदारे

7.नई कविता - डॉ मानसिंह वर्मा

8. समकालीन हिंदी कविता - रवीद अमर

9. नई कविता की प्रबंध चेतना - डॉ महावीरसिंह चौहान

10. नया हिंदी काव्य और विवेचन - शंभुनाथ चतुर्वेदी

11. तीसरा सप्तक - अज्ञेय

12. आधुनिक हिंदी काव्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन- डॉ बनवारीलाल द्विवेदी

13. आधुनिक खंडकाव्यों में युगचेतना - डॉ एन डी पाटील

14. नागार्जुन के काव्य का अनुशीलन - डॉ. पूनम बोरसे

******

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-2] SEMISTER – IV

हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

PAPER CODE : PAHN-242

SYLLABUS FOR M.A.-2

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Theory**
Course Name	**: हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास**
Course Code	**: PAHN 242**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
2. आधुनिक आर्य भाषाओं का परिचय देना ।
3. बोलियों का वर्गीकरण का परिचय देना।
4. हिंदी की लिपि विज्ञान से अवगत करना।
5. हिंदी भाषा के योगदान से अवगत करना।
6. छात्रों के शब्द भंड़ार में वृध्दि करना।
7. हिंदी की संस्थाओं से परिचित कराना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1 - छात्रों को हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय देना।

CO2 - आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनके वर्गीकरण से अवगत कराना। ।

CO3 - भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना।

CO4 - हिंदी बोलियों का वर्गीकरण तथा क्षेत्र से परिचित कराना।

CO5 - हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप और विकास की जानकारी देना।

CO6 - लिपि विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना।

CO7 - हिंदी हिंदी प्रचार एवं प्रसार करना।

पाठ्यक्रम

हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

PAPER CODE : PAHN 242

ईकाई नं.1: हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : **15 तासिकाएं**

प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ - वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत ।

मध्यकालीन आर्य भाषाएँ पालि, प्राकृत, शौरसेनी, पैशाची, महाराष्ट्री, अर्धमागधी, मागधी।

ईकाई नं. 2 : आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : **15 तासिकाएं**

बंगाली, असमिया, उडिया, हिंदी, गुजराती, पंजाबी, सिंधी, गढ़वाली मराठी।

ईकाई नं. 3 : लिपि विज्ञान : लिपि का उद्‌भव और विकास, **15 तासिकाएं**

खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपि।

देवनागरी लिपि : उद्‌भव और विकास देवनागरी लिपि की विशेषताएं।

ईकाई नं. 4 : हिंदी प्रसार के आंदोलन : प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिंदी, राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति। **15 तासिकाएं**

++++++

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान - डॉ. राजमल बोरा
3. भाषा विज्ञान की भूमिका सैद्‌धांतिक विवेचन - डॉ देवेंद्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान के सिद्‌धांत - डॉ. त्रिलोचन पांडेय
5. भाषा विज्ञान सैद्‌धांतिक विवेचन - रवींद्र श्रीवास्तव
6. भाषा विज्ञान के सिद्‌धांत और हिंदी भाषा - द्‌वारिकाप्रसाद सक्सेना
7. भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव दद्‌विवेदी
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. केशवदेव रूपाली
9. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. विश्वदेव त्रिगुणायत
10. भाषा विज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
11. सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना
12. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह

++++++

स्नातकोत्तर द्‌वितीय वर्ष कला [M.A. -2] SEMISTER – II

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

PAPER CODE : PAHN-243

SYLLABUS FOR M.A.-2

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	: M.A. Hindi
Program Code	: **PAHN**
Class	: M.A. -II
Semester	: IV
Course Type	: **Theory**
Course Name	: **हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**
Course Code	**PAHIN-243**
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

A) **उद्‌देश्य (Course Objectives)** :

1. हिंदी गद्‌य के उदभव और विकास से छात्रों को अवगत कराना |
2. द्‌विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता के प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों रंचनाकारों से परिचित कराना |
3. ऐतिहासिक दृष्टि विकसित करना ।
4. हिंदी साहित्य के इतिहास के उपन्यास और कहानी का परिचय कराना |
5. हिंदी के नाटक और रंगमंच के विविध प्रकारों से अवगत कराना |
6. विभिन्न गद्‌य विधाओं का परिचय कराना |
7. हिंदी साहित्य के विविध काव्य से परिचित कराना |

B) **अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes)** :

CO1- छात्र हिंदी गद्‌य के विकास से परिचित होंगे।

CO2- छात्र हिंदी साहित्य और इतिहास के सहसंबंधों से अवगत होंगे।

CO3- छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

CO4- छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास के महत्व से परिचित होगें।

CO5- छात्र हिंदी के नाटक और रंगमंच के विविध प्रकारों से अवगत होंगे |

CO6- छात्र विभिन्न गद्‌य विधाओं से परिचित होंगे |

CO7- छात्रों में हिंदी साहित्य के विविध काव्य के दृष्टि से विकसित होगी।

पाठ्यक्रम

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

PAPER CODE : PAHN-243

ईकाई नं. 1 : 1. हिंदी गद्य का उद्भव और विकास : 15 तासिकाएं

2. भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य का सामान्य परिचय|
3. हिंदी उपन्यास का विकास : प्रेमचंद पूर्व युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग
4. हिंदी कहानी का विकास : प्रसाद पूर्व युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग

ईकाई नं. 2 : 1. हिंदी नाटक और रंगमंच का उदभव और विकास : 15 तासिकाएं

प्रसाद पूर्व युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग |

2. हिंदी निबंध का इतिहास : शुक्ल पूर्व युग, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग |
3. हिंदी की अन्य गद्य विधाएं- एकांकी, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रासाहित्य, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्ताज |

ईकाई नं. 3 : 1. आधुनिक काव्य का विकास 15 तासिकाएं

2. भारतेंदु युगीन काव्य
3. द्विवेदी युगीन काव्य
4. छायावादी युगीन काव्य

ईकाई नं. 4 : 1. प्रगतिवादी काव्य 15 तासिकाएं

2. प्रयोगवादी काव्य
3. नई कविता
4. साठोत्तरी कविता

*****

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गंपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
8. हिंदी साहित्य का आतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

*****

<u>स्नातकोत्तर द्‌वितीय वर्ष कला</u> [M.A.-2] SEMISTER – II

लोकसाहित्य

PAPER CODE : PAHN-244

SYLLABUS FOR M.A.-2

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	: M.A. Hindi
Program Code	: **PAHN**
Class	: M.A. -II
Semester	: IV
Course Type	: **Theory**
Course Name	: **लोकसाहित्य**
Course Code	: **PAHIN-244**
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

A) **उद्‌देश्य (Course Objectives)** :

1. लोकसाहित्य के स्वरुप एवं महत्व से परिचित कराना |
2. लोकसाहित्य के विविध प्रकारों से अवगत कराना |
3. लोकसाहित्य की व्यापकता से परिचित कराना |
4. महाराष्ट्र के लोकसाहित्य का परिचय देना |
5. लोकनाट्‌य के विविध प्रकारों से अवगत करना |
6. संकलन एवं लोककथा की विभिन्न पद्‌धतियों से परिचित करना |
7. लोकभाषा और लोकसंगीत की विविधता से अवगत करना |
8. दैनंदिन जीवन में आनेवाले लोकसाहित्य से परिचित करना |

B) **अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes)** :

CO1- छात्र लोकसाहित्य के महत्व से परिचित होंगे।

CO2- छात्र लोकसाहित्य के प्रकारों से अवगत होंगे।

CO3- छात्र लोकसाहित्य की व्यापकता को समीक्षात्मक दृष्टि से परिचित होंगे|

CO4- छात्र महाराष्ट्र के विविध लोकसाहित्य से परिचित होगें।

CO5- छात्र लोकनाट्‌य के विविधता से परिचित होंगे |

CO6- छात्र संकलन और लोककथा की पद्‌धतियों से परिचित होंगे |

CO7- छात्रों में लोकसाहित्य की विभिन्न पराकारों से अवगत होंगे |

CO8- दैनंदिन जीवन में आनेवाले लोकसाहित्य से परिचित करना |

पाठ्यक्रम

लोकसाहित्य

PAPER CODE : PAHN-244

ईकाई नं. 1 : लोकसाहित्य की परिभाषा, स्वरुप एवं विशेषताएं, — 15 तासिकाएं
लोक संस्कृति और साहित्य, लोकसाहित्य का महत्व |
भारत में लोकसाहित्य के अध्ययन का इतिहास |

ईकाई नं. 2 : लोक साहित्य संकलन : उद्देश्य, संकलन की पद्धतियाँ, — 15 तासिकाएं
संकलन कर्ता की समस्याएं तथा समाधान |

ईकाई नं. 3 : लोक - गीत : संस्कार, व्रत, श्रम, रुतु, जाति | — 15 तासिकाएं
लोकनाट्य: रामलीला, रासलीला, किर्तनिया, स्वांग, यक्षगान, भवाई, जात्रा |
महाराष्ट्र का लोकनाट्य: तमाशा, गोंधळ, लावणी, पोताराज, संुबरन, वासुदेव, भारुड, लळीत, दशावतार, पोवाडा, कीर्तन |

ईकाई नं. 4 : लोक - कथा : व्रत कथा, परी कथा, नाग कथा, बोध कथा, — 15 तासिकाएं
कथानक रूढीयाँ |
लोकसंगीत : लोक वाद्य तथा विशिष्ट लोक धुनें |
लोकभाषा : लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावते, पहेलियाँ |

*****

संदर्भ ग्रंथ:

1. भारतीय लोकसाहित्य - डॉ. श्याम परमार
2. लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्ण देव उपाध्याय
3. लोकसाहित्य की भूमिका - पं रामनरेश त्रिपाठी
4. महाराष्ट्र की हिंदी लोककला - कृ. ग. दिवाकर
5. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति - दिनेश्वर प्रसाद
6. पारंपरिक भारतीय रंगमंच - कपिला वात्स्यायन, अनु. बरीउज्जया
7. लोकसाहित्य विज्ञान - डॉ. सत्येद्र
8. लोकसाहित्य एवं लोकसंस्कृति : परंपरा की प्रासंगिकता एवं सामाजिक परिप्रेक्ष - सं. वीरेंद्रसिंह यादव

*****